देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 88 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
मुश्किल है लक्ष्य

पेज श्री

देहरादून, शनिवार, 3 जुलाई 2021

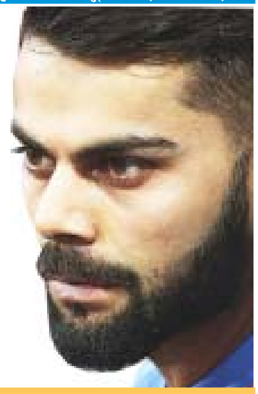

मौसम अधिकतम 33.0° न्यूनतम 24.0°
40243.40
2 कनाडा में बढ़ रही हीटवेव से मौतें
7 एक पोस्ट से 5 करोड़ कमाई करते हैं विराट

पुलवामा में सेना का बड़ा एनकाउंटर

पाकिस्तानी समेत लश्कर के 5 आतंकी ढेर, 1 जवान शहीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पुलवामा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में गुरुवार देर रात से जारी एनकाउंटर में लश्कर ए तैयबा के पांच आतंकी मारे जा चुके हैं। इनमें से एक पाकिस्तानी है। पुलवामा के हांजिन राजपोरा इलाके में एनकाउंटर अभी भी जारी है और छिपे हुए आतंकियों की तलाश की जा रही है। क्रॉस फायरिंग के दौरान सेना का एक जवान भी शहीद हो गया

एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में एक जवान घायल हो गया था, जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस आईजी विजय कुमार ने बताया कि पुलवामा एनकाउंटर के दौरान लश्कर के पांच आतंकी ढेर किए गए हैं। इनमें से एक पाकिस्तानी नागरिक है। ऑपरेशन अभी जारी है।

देर रात शुरू हुआ एनकाउंटर

सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच देर रात से मुठभेड़ जारी

सुरक्षाबलों ने खुडवनी की घेराबंदी कर ली

कुलगाम के खुडवनी में दो आतंकी अपने एक संपर्क सूत्र के पास पहुंचे। इसका पता चलते ही सुरक्षाबलों ने खुडवनी की घेराबंदी कर ली। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि अंधेरा होने के कारण तलाशी शुरू नहीं की गई। फिलहाल, गांव में आने-जाने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं।सुबह नमाज की अजान के साथ ही फिर से तलाशी अभियान शुरू हो गया है।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में गुरुवार देर रात सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने पुलवामा जिले के राजपोरा इलाके के हाजिन गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। आतंकियों के सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाने से अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। सुरक्षा बल ने भी गोलीबारी का मुंह तोड़ जवाब दिया।

पुलवामा में स्वचालित हथियारों से लैस तीन से चार आतंकी रात 11.30 बजे हांजन, राजपोरा में देखे गए। इसका पता चलते ही पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर गांव की घेराबंदी शुरू कर दी। रात करीब सवा बारह बजे आतंकियों ने जवानों की घेराबंदी तोड़ भागने के लिए उन पर फायरिंग कर दी। जवानों ने खुद को बचाते हुए जवाबी फायर किया और उसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। तीन के करीब आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। आतंकियों के खिलाफ जारी मुठभेड़ में सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल के जवान काशी शहीद को गए हैं।

सेना का एक जवान भी शहीद हो गया

एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में एक जवान घायल हो गया था, जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस आईजी विजय कुमार ने बताया कि पुलवामा एनकाउंटर के दौरान लश्कर के पांच आतंकी ढेर किए गए हैं। इनमें से एक पाकिस्तानी नागरिक है। ऑपरेशन अभी जारी है।

ड्रोन हमले के पीछे लश्कर और जैश का हाथ: डीजीपी

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह का कहना है कि ड्रोन के जरिए हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थ गिराने के पीछे पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा और जैश ए मोहम्मद का हाथ है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास लाने के लिए आतंकवाद को अस्वीकार किया जाए और इसे हराया जाए। डीजीपी ने कहा कि आतंकवाद के सफाए के लिए आतंकवाद निरोधी अभियानों की गति और भी तेज की जाएगी, वहीं दूसरी ओर ड्रोन जैसे खतरों से निबटने के लिए सुरक्षा इंतजामों को और भी मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

चार मिनट में ही राज्यपाल ने बजट अभिभाषण को किया समाप्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। बंगाल विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार को पहले से अनुमान के मुताबिक भारी हंगामे के साथ शुरू हुआ। हंगामे के कारण राज्यपाल जगदीप धनखड़ अपना बजट अभिभाषण पूरा पढ़ भी नहीं पाए और चार मिनट में ही इसे समाप्त कर विधानसभा भवन से बाहर निकल गए। राज्यपाल ने दोपहर ठीक दो बजे जैसे ही अपना अभिभाषण पढ़ना शुरू किया, भाजपा विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने आकर नारेबाजी शुरू कर दी।

दी गई कोविड-19 रोधी वैक्सीन की 34 करोड़ से अधिक डोज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच टीकाकरण अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि देश में अब तक कोविड-19 रोधी वैक्सीन की 34 करोड़ से अधिक डोज लोगों को दी जा चुकी है।

सीएम तीरथ सिंह रावत ने की इस्तीफे की पेशकश

संवैधानिक संकट न हो इसलिए इस्तीफाः सीएम

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 4 महीने के अंदर ही मुख्यमंत्री फिर बदल सकता है। मौजूदा मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत के इस्तीफे की चर्चा जोरों पर है। तीन दिनों से दिल्ली में डेरा जमाए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत पिछले 24 घंटों के अंदर दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर चुके हैं। मुलाकातों के इस दौर से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगने लगी हैं। तीरथ सिंह रावत के इस्तीफे की अटकलें इसलिए लग रही हैं क्योंकि उनको अपने पद पर बने रहने के लिए 10 सितंबर तक विधानसभा चुनाव जीतना होगा, यह संवैधानिक बाध्यता है। रावत फिलहाल पौड़ी लोकसभा सीट से सांसद हैं। त्रिवेंद्र सिंह रावत को हटाए जाने के बाद उन्हें 10 मार्च को मुख्यमंत्री बनाया गया था।

नड्डा से मुलाकात पर बोले रावत, उपचुनाव पर चुप्पी

नड्डा से मुलाकात के बाद रावत ने कहा कि मैंने बीजेपी अध्यक्ष से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की है। उपचुनाव के संबंध में जब सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह विषय निर्वाचन आयोग का है और इसके बारे में कोई भी फैसला उसे ही करना है। उन्होंने कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व इस बारे में जो भी रणनीति तय करेगा उसे आगे धरातल पर उतारा जाएगा।

राज्य में विधानसभा की दो सीटें गंगोत्री और हल्द्वानी खाली हैं जहां उपचुनाव होना है। अगले साल फरवरी-मार्च में ही विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में उपचुनाव कराने का फैसला निर्वाचन आयोग पर ही निर्भर करता है।

भाजपा विधायक गोपाल सिंह रावत का इस वर्ष अप्रैल में निधन होने से गंगोत्री सीट खाली हुई है, जबकि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता इंदिरा हृदयेश के निधन से हल्द्वानी सीट खाली हुई है। हालांकि अभी तक चुनाव आयोग ने उपचुनाव की घोषणा नहीं की है।

चुनाव से चंद महीने पहले ही उपचुनाव कराना आसान नहीं

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ऐसे में निर्वाचन आयोग के लिए उपचुनाव कराना इतना आसान नहीं है। उपचुनाव न होने की स्थिति में संवैधानिक संकट का हल तभी निकल सकता है जब मुख्यमंत्री रावत की जगह पर किसी ऐसे व्यक्ति को कमान सौंपी जाए जो विधायक हो।

जुलाई आ गया है वैक्सीन नहीं आयी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस रोधी वैक्सीन की उपलब्धता को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर इसी मुद्दे पर तंज कसते हुए कहा कि जुलाई आ गई, लेकिन अभी तक कुछ राज्यों में वैक्सीन की कमी पूरी नहीं हो पाई है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस तंज का करारा जवाब दिया है।

राहुल गांधी पिछले काफी समय से केंद्र की कोरोना वैक्सीनेशन की नीति पर सवाल उठा रहे हैं। वह ट्वीट कर सरकार से वैक्सीनेशन कार्यक्रम में तेजी लाने की सलाह देते रहते हैं। शुक्रवार को उन्होंने एक ट्वीट में लिखा- जुलाई आ गया है, वैक्सीन नहीं आयीं। इससे पहले भी वह ट्वीट कर आरोप लगा चुके हैं कि भारत में वैक्सीनेशन कार्यक्रम बहुत धीमी गति से चल रहा है, जिसमें तेजी लाने की बेहद जरूरत है। हालांकि, केंद्र की मोदी सरकार भारत के सभी व्यस्कों को इस साल दिसंबर तक वैक्सीन देने की पूरी रणनीति बना चुकी है। इस बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन और अन्य भाजपा नेता विस्तार से बता चुके हैं।

वार-पलटवार

■कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तंज कसा

अहंकार और अज्ञानता के वायरस की कोई वैक्सीन नही

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पर पलटवार करते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि पिछले दिनों मैंने जुलाई में राज्यों को उपलब्ध कराई जाने वाली वैक्सीन की संख्या के बारे में विस्तार से बताया था। इस दौरान सभी आंकड़े रखे गए थे। अब पता नहीं राहुल गांधी की क्या परेशानी है, क्या वह पढ़ते नहीं हैं? साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने लिखा- अहंकार और अज्ञानता के वायरस की कोई वैक्सीन नहीं है। कांग्रेस को पहले अपने नेतृत्व के बारे में सोचना चाहिए।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

अगर मंत्री सही नहीं तो प्रधानमंत्री ऐक्शन लेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री वीके सिंह के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और साफ कहा कि मंत्री पर कार्रवाई प्रधानमंत्री करेंगे, कोर्ट नहीं। शीर्ष अदालत में दायर याचिका में दावा किया गया था कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत की आधिकारिक स्थिति

तमिलनाडु के वैज्ञानिक ने दायर की थी याचिका

पर टिप्पणी कर उन्होंने अपनी शपथ का उल्लंघन किया है। न्यायालय ने कहा, ''अगर मंत्री सही नहीं है, तो प्रधानमंत्री इस संबंध में कार्रवाई करेंगे, अदालत कुछ नहीं कर सकती। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की एक पीठ ने इस टिप्पणी के साथ ही तमिलनाडु के निवासी याचिकाकर्ता चंद्रशेखरन रामासामी की याचिका खारिज कर दी। रामासामी खुद को एक वैज्ञानिक बताते हैं। पीठ ने कहा, अगर आपको किसी मंत्री का बयान पसंद नहीं आया, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप याचिका दायर कर उसे बयान वापस लेने के लिए कहेंगे।